'अर्थशास्त्र' का 'विद्यार्थी' होने के नाते 'ठेकेदार', 'धनशास्त्र' में भी 'ए सपर्ट' होता!

ठेकेदार प्रजाति कभी डूबती नांव की सवारी नहीं करते, उनका एक पैर नांव पर दूसरा जमीन, जैसे ही नांव डूबने वाली होती, वह पैर खींच लेता

❖ सबसे अधिक मौसमी वैज्ञानिक ठेकेदार को ही माना जाता, जो आजकल नेताओं के साथ में चल रहें ❖ इन्होंने धोखा देने के आलावा और कुछ सीखा ही नहीं, न तो इनकी कोई निष्ठा,न धर्म और न विचार होता, क्यों के यह अर्थशास्त्र के विधार्थी जो ठहरे ❖ नेताओं के साथ में अंतिम समय में छाया रुपी कार्यकर्त्ता ही साथ में रह जाता ❖ पहली पक्ति में जो दिखाई देता वह चेहरेबाज होते, अंतिम में जो दिखाई देता वह वोटबाज होता, लेकिन चेहराबाज अंतिम समय तक जीताता रहता, जो कहता है, कि कांउटिगं होना रह गया ❖ असली पतिवत्रता को तो कोई नहीं पूछ रहा, त्यौहारी कार्यकर्त्ता हावी, जो नेताओं के पास भेश बदलकर आ रहे

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...ठेकेदार बहुत अधिक पढ़ा लिखा भले ही नहीं होता है, मगर वह अर्थषास्त्र का होनहार विद्यार्थी अवश्य होता है, इस लिए उसे धनशास्त्र में एक्सपर्ट माना जाता है, और जो ठेकेदार धनशास्त्र में माहिर होता हैं, वह घाटे में कभी नहीं रहता। उसके लिए घाटा भी मुनाफे से कम नहीं होता। यह ठेकेदार रुपी प्रजाति कभी डूबती नांव की सवारी नहीं करते, और न ही लगड़े घोड़े पर दांव लगाते। हमेशा जीतने वाले और लंबे रेस के घोड़े पर दांव लगाना पसंद करते है। इनका एक पैर जमीन पर और दूसरा नांव पर रहता है, यह जब देखतें हैं, कि नांव डूबने वाली है, तो नांव पर रखे पैर को खींच लेतें, और नांव को मझदार में ढंकेल देतें है।

यह लोग अब तक न जाने कितने नेताओं की नैया को डूबों चुकें हैं, लेकिन इनकी नैया आजतक नहीं डूबी, क्यों कि यह ठहरे 'एकोनामिक' के ब्रिलिएंट स्टूडेंट। इसी लिए इनकी डिक्सनरी में हार/वफा शब्द नहीं होता। इनकी गणित हमेशा जीताने वाली ही रहती। जीतने और हारने वाले नेताओं की पहचान करना हो तो कोई इनसे सीखे। फायदा उठाना और धोखा देने के आलावा और इन्होंने कुछ और नहीं सीखा, न तो इनकी किसी नेता के प्रति कोई निष्ठा होती, न ही इनका कोई धर्म होता और न ही कोई विचार ही, क्यों कि ठहरे यह पक्के कारोबारी। सबसे अधिक मौसमी वैज्ञानिक ठेकेदार को ही माना जाता है, जो आजकल नेताओं के साथ में चल रहे है। इन्हें पहली पक्ति में खड़े होना वाला 'चेहरेबाज' कहा जाता हैं, और अंतिम पक्ति में खड़े रहने वालों को 'वोटरबाज' कहतें हैं। चेहरेबाज अंतिम समय तक जीताता रहता हैं, यह कहते हुए नहीं थकता कि बस काउंटिगं होना बाकी।

एक ठेकेदार का कहना है, कि हमसे क्या मतलब कौन हार रहा है, और कौन जीत रहा। हम लोग तो हमेषा जीतने वाले घोड़े पर ही दांव लगाते आ रहें हैं। रात-दिन नेताओं के साथ में चलने वाले यह लोग कभी एहसास तक नहीं होने देना चाहते हैं, कि वह लोग साथ में नहीं है। इनकी चालाकी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है, कि यह एक साथ कई घोड़ों पर दांव लगाते हैं, पता नहीं कब कौन घोड़ा जीत जाए। विधानसभा चुनाव इसका उदाहरण रहा। अनेक ठेकेदारों को यह लगने लगा था कि इस बार तो सपा की सरकार बनने जा रही हैं, इस लिए भाजपा में रहते हुए भी कई ठेकेदारों ने सपा प्रत्याशियों पर खूब दांव लगाया। यह सोचकर दांव लगाया कि अगर सपा प्रत्याषी हार भी गया तो अध्यक्ष और सरकार तो पार्टी की ही रहेगी। जिसके चलते सपा के कई प्रत्याषी सरकार और विधायक बनने से पहले ही करोड़पति हो गए। मगर, अनेक ठेकेदारों का दांव भाजपा की सरकार बनने के कारण उल्टा पड़ गया। फिर भी यह घाटे में नहीं रहें। नेता भले ही असफल हो सकता है, लेकिन ठेकेदार कभी नहीं। यह अपने फन में इतने माहिर होते हैं, कि इन्हें यह आफर-आफर दिया जाता है, कि आइए हमारे नगर पंचायत में काम करिए, खुद खाईए और हम्हें भी खिलाइए। प्रशासन और षासन में इनकी इतनी पकड़ रहती है, कि यह जो चाहें वह करवा लेते है। करोड़ों की कार्ययोजना की मंजूरी से लेकर वित्तीय स्वीकृति तक दिलाने का टेंडर लेते है।

तेजयुग फॉलोअप खबर

मगर, कभी-कभी चेयरमैन लोग इन्हें भी गच्चा दे जाते है। एक ठेकेदार ने तो यहां तक कहा कि नेताओं का ठेकेदारों के बिना चल ही नहीं सकता, नेता एक बार अपनी बीबी से मनमुटाव कर सकता है, लेकिन ठेकेदारों से नहीं। क्यों कि ठेकेदारों और नेताओं का संबध अपनी पत्नियों से अधिक मजबूत और प्रगाढ़ रहता है, इन दोनों का रिलेषनषिप भावात्मक नहीं बल्कि व्यासायिक होता है। जिन नेताओं को आजकल चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आ रही हैं, और जो यह सोच रहे हैं, कि पूरा जिला राम, योगी और योगी मय हो गया है, और जो लोग यह कहते हुए नहीं थकते कि इस बार हजारों में नहीं बल्कि लाखों वोटों से जीत होगी, तो उन्हें इस कहानी पर अवष्य ध्यान देना चाहिए। कहते हैं कि 'एक राजा था, जब उसने अपने मंत्रियों से प्रजा को लेकर अपनी लोकप्रियता के बारे पूछा तो मंत्रियों ने कहा कि चारों तरफ प्रजा आप की ही जय-जयकार कर रही है, और आप का हुक्म कभी भी कोई भी प्रजा मानने से इंकार नहीं कर सकती, पूरे राज्य तूती बोल रही है। राजा को लगा कि यह तो बहुत अच्छी बात है। फिर राजा ने सच पता करने के लिए गांव में एलान करवा, कि वह दूध का तालाब बनवाना चाहते है। राजा के इस एलान से प्रजा बहुत खुश हुई।

राजा ने प्रजा से यह भी कहा कि आप सभी लोग दूध लेकर आएगें, और तालाब में डालेंगें। सुबह जब राजा अपने मंत्रियों के साथ तालाब में सच जानने को पहुंचा तो उसे दूध के स्थान पर पानी ही पानी नजर आया। कहने का मतलब गांव वालों ने यह सोचा कि फलां व्यक्ति तो दूघ लेकर जाएगा ही वह पानी लेकर चले जाते हैं, उसी में मिला देगें, किसी को पता भी नहीं चलेगा। यही सोचकर कोई भी गांव वाला दूध लेकर नहीं गया, बल्कि सभी पानी लेकर ही गए। यह देख राजा को अपनी हैसियत और सच का पता चल गया। इसका आषय अगर भाजपा और सांसदजी समझ जाए तो बहुत अच्छा होगा, वरना कई ठेकेदार और उनके साथ में चलने वाले नांव डूबोने की तैयारी में लगे हुएं है। लाखों वोट जीताने का दंभ भरने वालो की भी कमी नहीं है। बिडंबना यह है, कि असली पतिवत्रा को कोई पूछ ही नहीं रहा। इनपर त्यौहारी कार्यकर्त्ता हावी होते जा रहे है। यही लोग नेताओं के पास भेष बदलकर आ रहे है, और कह रहे हैं, कि सिर्फ मतगणना बाकी हैं। सबसे अधिक मौसम वैज्ञानिक ठेकेदार ही होते हैं।

सबसे बड़ी समस्या उन ठेकेदारों के सामने हैं, जिनसे यह कहा गया है, कि अगर पिछले चुनाव से दस हजार वोट अधिक क्षेत्र में नहीं मिला तो दंष झेलने को तैयार रहे। अब जाहिर सी बात हैं, अगर ठेकेदार प्रजाति के लोग वोट दिलाते रहे तो कोई चुनाव हार ही नहीं सकता। ठेकेदार का आशय सिर्फ ठेकापटटी करने वालों से नहीं बल्कि उन लोगों से भी जो पांच साल तक सरकारी धन को नीजि धन समझकर लूटते रहे। मीडिया बार-बार कह रही और सांसदजी को चेतरा रही है, कि मौसमी ठेकेदारों से बचकर रहिए। इनका तो कुछ भी नहीं जाएगा, लेकिन....। इन सबके बावजूद सांसदजी अपने तीसरी जीत के अभियान में लगे हुए है। संगठन और आरएसएस के अतिरिक्त इनका एक अलग से वार रुम काम कर रहा है।

जो चुनाव पर पैनी नजर रखे हुए हैं, और इस वार रुम की कमान खुद सांसद ने संभाल रखा है। देखने वाली बात यह होगी कि जो लोग अपनी पार्टी के साथ गददारी करके भाजपा में आएं हैं, और आ रहें हैं, वह भाजपा प्रत्याषी को जीताने में कितना सफल होतें। सवाल उठ रहा है, कि यह लोग कैसे उस पार्टी के लिए वोट मांगने जाएगें, जो भाजपा को गाली देकर कई बार वोट मांग चुके है। सबसे अधिक हैरानी अठदमा को लेकर जिले भर की जनता को हो रही है, और वह आज तक नहीं समझ पाई कि जिस भाजपा ने अठदमा के परिवार पर जख्म दिए, वह इतनी जल्दी उन जख्मों को कैसे भूल सकतें है, जो अभी ठीक से भरा भी नहीं। जख्म तो महेश सिंह के परिवार को भी भाजपा वाले दे चुके हैं, मगर यह लोग यह नहीं भूले कि भाजपा के चलते उनके घर की बहु और बेटे को क्या-क्या अपमान नहीं सहना पड़ा। अगर यह चाहते तो इनका परिवार भी भाजपा में लाभ लेने के लिए चला जाता हैं, प्रयास भी पार्टी की ओर से किया गया, लेकिन इन्होंने ऐसा करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया, अगर इस डर के माहौल में भी कोई पार्टी नहीं छोड़ता तो ऐसे लोगों को क्षेत्र की जनता बधाई का पात्र मानती है।

'समोसा' छोड़िए, 'खंभा' लेने वाले 'पत्रकारों' की 'थानों' पर उमड़ी 'भीड़'!

एक पत्रकार ने कहा हर साल मिठाई के डिब्बे के साथ 20-25 मिलता था, इस बार सिर्फ पांच खंभा मिला

पत्रकार साथी ऐसे-ऐसे थानों पर खंभा लेने के लिए लाइन लगाए रहे, जिन थानों पर पत्रकार की पिटाई पुलिस ने की

तेजयुग न्यूज

बस्ती।....अभी कुछ दिन पहले एक महिला दरोगा ने पत्रकारों पर आरोप लगाया था कि आज का पत्रकार एक समोसा और चाय पर बिकता है। पत्रकार को पैसा दीजिए और जैसा चाहिए वैसा खबर छपवा लीजिए। इसे लेकर पूरे मीडिया जगत में कई दिनों तक चर्चा हुई। इसे लेकर एक परिचर्चा हुई। जिसमें खुलकर कहा गया कि होली के दिन मिठाई का डिब्बा और खम्भा लेने के लिए कई थानों पर पत्रकारों की लाइन लगी हुई थी। उन थानों पर भी लाइन लगी हुई थी, जिस थाने पर हाल ही में पुलिस ने एक पत्रकार को मारा-पीटा था। एक पत्रकार कह रहे हैं, कि हर साल उन्हें 20-25 खंभे के साथ मिठाई का डिब्बा और लिफाफा मिलता था, इस साल सिर्फ पांच खंभा और मिठाई का डिब्बा ही मिला। यह खंभा थानों पर उस दिन बांटा गया, जिस दिन पूरे जिले में शराब की बिक्री पर रोक था। परिचर्चा में कहा गया कि आज के पत्रकारों ने अपने आप को इतना नीचे गिरा दिया हैं, कि उन्हें पत्रकार कहते हुए भी शर्म आती है।

इसमें कई ऐसे पत्रकार भी रहे जो दो-दो थानों पर खंभा लेने पहुंचे। हालांकि एक दो एसओ ने तो फोन करके खुद पत्रकारों को बुलाया था। परिचर्चा में यह भी बाते सामने आई कि एक माननीय के यहां इतने त्यौहारी पत्रकार पहुंच गए, कि उनका दिमाग चकरा गया, पत्रकारों का हूजूम देख उन्हें लगा कि जिले में पत्रकारों की संख्या कितनी है। ऐसे न जाने कितने कितने पत्रकार रहे जिनका चेहरा माननीय ने इससे पहले नहीं देखा था। कहने लगे कि अगले साल की होली में उन्हें होली बजट का अलग से इंतजाम करना पड़ेगा। परिचर्चा में इस बात का भी खुलासा हुआ कि नेताजी की नजर में पत्रकारों की कितनी हैसियत है। हुआ यह कि नेताजी आने वाले पत्रकारों को मिठाई खिलाने के बाद उन्हें एक लिफाफा भी थमा रहे थे।

❖ एक विधायक तो पत्रकारों की फौज देख परेशान हो गए, और कहने लगे कि अगली होली में बजट का अलग से इंतजाम करना पड़ेगा

❖ एक नेता ने जब पत्रकार को लिफाफा दिया, और पत्रकार ने जब उसे खोला तो उसमें दो सौ का नोट निकला, इस नेता के सामने त्यौहारी पत्रकारों की यही हैसियत

❖ जिस विभाग पर दारु की विक्री पर रोक लगाने का था, उसी विभाग ने पत्रकारों को लाइन लगाकर दो देशी और एक अग्रेजी खंभा बांट

अमूमन पत्रकार किसी के सामने लिफाफा को खोलता नहीं। लेकिन चालाक पत्रकार ने लिफाफे का वजन देख भांप लिया कि दाल में कुछ काला है। किनारे ले जाकर लिफाफा खोला तो उसमें दो सौ का एक नोट निकला। चुपचाप पत्रकार, नेताजी को मन ही मन गाली देते चले आए। सवाल उठ रहा है, कि क्या आज का पत्रकार नेताओं और थानों की पुलिस के भरोसे होली और दिपावली मनाएगा?

कहा गया कि पहले महिला दरोगा ने पत्रकारों की पोल खोली और अब दरोगा और नेताओं ने। यह भी कहा गया कि पत्रकार को कम से कम उस थाने पर तो नहीं जाना चाहिए था, जिस थाने पर उसके साथी की पिटाई पुलिस ने की हो। कहा गया कि ईश्वर किसी को सद्बुद्धि न दे चलेगा लेकिन हमारे देश के चैथे स्तंभ को सद्बुद्धि नैतिकता न्याय प्रिय सत्यप्रिय ईमानदार रहने का आशीष जरूर दे। क्योंकि लोकतंत्र व राष्ट की सुरक्षा यही कर सकते हैं। डूबते हुए लोकतंत्र के राष्ट रक्षक भी यही है। भ्रष्टाचार, अनैतिकता, अनाचार, दुराचार, को मिटाकर न्याय नियम नैतिकता सत्यता का उदय पत्रकार ही कर सकते है। अभी होली पर्व पर पत्रकारों का अच्छा हुजुम थाने और पुलिस चैकी पर त्योहारी लेते देखे गए और उनकी होली भी थानों चैकियों पर मनी लोकतंत्र के जिस चैथे स्तंभ पर आम जनमानस को अटूट विश्वास और घोर निष्ठा था वही आम जनमानस आज सर्वाधिक घृणा चैथे स्तंभ से कर रहा है पत्रकारिता दबे कुचलों अनैतिकता भ्रष्टाचार की आवाज न होकर व्यवसाय हो गया है। देश के बड़े-बड़े अखबार व चैनल और इनके संवाददाता दरबारी भांट व दलाल के रुप में नजर आते हैं। पत्रकार ने पत्रकारिकता को लांक्षित कर दिया है। पत्रकारिता व्यवसाय बन गया है। अब के पत्रकार तो थाने चैकी आफिस आफिस दफ्तर-दफ्तर घूम कर दरबारी कवियों भाटों की तरह प्रशंसा करके पुरस्कार प्राप्ति करते हैं।

अनेक ईमानदार अधिकारी कर्तव्य निष्ठ थानेदार इन पत्रकारों के कारण अपने को असहज एवं असहाय महसूस करते हैं। ईमानदारी से कार्य भी नहीं कर पाते एक महिला दरोगा ने सत्य ही कहा था कि अबके पत्रकार समोसे पर बिक जाते हैं। कहा गया कि पत्रकारिता ने भयावाह व राष्ट नाशक रुप धारण कर लिया है। जिसका परिणाम है कि भ्रष्टाचार अनैतिकता आदि स्थापित होना। कहते हैं, को पत्रकार ब्लॉक पर अपना जन्म दिन मना रहा है, तो कोई पुलिस चैकी पर। लगता ही नहीं कि पत्रकारों का भी अपना कोई घर या परिवार भी है। कहा गया कि जिस विभाग पर दारु की विक्री पर रोक लगाने का था, उसी विभाग ने पत्रकारों को लाइन लगाकर दो देशी और एक अग्रेजी खंभा बांटा। परिचर्चा पर गनीराम चैधरी, जगदीश वर्मा, कंचन सिंह, दधिराम तिवारी, बालकृष्ण, नवीन सिंह, मुकेस, दीनानाथ, मंगेस चैहान, कृष्णा सिंह, मो. सादिक, भानु प्रताप पांडेय, जगमोहन, आदित्य, बंसीलाल, सिव लखन मौर्य, संतलाल, बब्लू, मेंहदी हसन, झग्गी नाक गौड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

'किशोरी' ने 'नदी' में लगाई 'छलांग', हुई 'मौत'

थाना लालगंज के ग्राम कुआनो-मनोरमा नदी में लगाई छलांग, मचा कोहराम

तेजयुग न्यूज

कुदरहा, बनकट बस्ती। बुधवार को लालगंज थाना क्षेत्र के कुआनों-मनोरमा नदी के पास बुधवार की सुबह एक किशोरी ने नदी में छलांग लगा दिया। जिसके चलते वह नदी में डूब गई। सूचना पर मौके पर पहुंची लालगंज पुलिस ने जगन्नाथपुर के चार लड़कों के की मदद से किशोरी के शव को नदी से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह अचानक स्थानीय थाना क्षेत्र के हथियांव कला ग्राम निवासी हेमंता 17 पुत्री रिंकू मांझी पुल पर पहुंची और छलांग लगा दिया। आसपास मौजूद लोगों नें शोर मचाया, स्थानीय लोगों नें घटना की सूचना थाना लालगंज को दिया।

मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष लालगंज सुनील कुमार गौड़ एवं चैकी इंचार्ज लालगंज नें किशोरी को ढूंढने के लिए स्थानीय गोताखोरों को बुलवाया, काफी प्रयास के बाद किशोरी का शव नदी की धारा से प्राप्त हुआ। किशोरी नें यह कदम क्यों

उठाया इस विषय में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इस बावत बात करने पर मृतका की मां मीना निषाद ने बताया कि हेवन्ता उनकी तीन संतानों में से एक थी। मृतका के पिता विदेश में रहकर मेहनत मजदूरी करते है। वह अपनी बड़ी बेटी को साथ लेकर खेत में काम करने गई थीं। सूचना पाकर वह नदी की तरफ दौड़ी।

स्थानीय गोताखोरों ने अपनी जान की बाजी लगा किशोरी का शव निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर निवासी शिवकुमार गोस्वामी, प्रदीप गोस्वामी पुत्रगण विक्रमजीत और नकुल गोस्वामी पुत्र रामपाल, सत्य गोस्वामी पुत्र श्रीकांत, और विकास गोस्वामी पुत्र सतिराम ने किशोरी के नदी में कूदने की खबर सुनते ही अपनी जान जोखिम में डाल नदी में कूद पड़े। और काफी मशक्कत के बाद बालिका का शव बाहर निकाला। वही थानाध्यक्ष लालगंज सुनील गौड़ ने बताया कि बालिका का शव स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया है। तहरीर मिली है। शव का पंचनामा कर अंत्य परीक्षण के लिए मरचरी हाउस भेज दिया गया है।

'गुरु' के 'गुरु' निकले नटवर लाल 'अनिल कुमार गुप्त'

'फर्जीवाड़ा' में फंसे 'नकली' गुरु, 'इज्जत' भी गई और नौकरी भी!

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...कहा भी जाता है, कि पड़ोसी से सावधान रहिए। पड़ोसी ही वह व्यक्ति होता है, जो अपने पड़ोसी की पोल खोलता है। ऐसा ही कुछ विकास खंड परसरामपुर के पीएस मरवटिया में तैनात सहायक अध्यापक अनिल कुमार गुप्त के साथ हुआ। यह कथित गुरु बेसिक विभाग के आंख में पिछले 27 साल से आंख में धूल झोंक कर नौकरी कर रहे थे। नौकरी के अंतिम पड़ाव में इनके फर्जीवाड़े का भेद खुला।

पता चला कि यह कथित गुरु 1999 में बलिया से तबादला होकर बस्ती आए, इन्हें नहीं मालूम था, कि बस्ती में आकर उनकी नौकरी भी जाएगी और इज्जत भी। करोड़ों रुपया वेतन का अलग से वापस करना होगा। यह 1997 में ही बलिया में नौकरी कर रहे थे। इनके पड़ोसी ने शिकायत कर दिया, कि जिस बीटीसी पर यह नौकरी कर रहे हैं, वह फर्जी है। इसकी जांच बीएसए अनुप कुमार ने करवाया। कंप्लेंट सही पाए जाने पर नकली गुरु को दो तीन नोंटिस दिया गया, मगर इन्होंने न तो नोटिस का कोई जबाव दिया और न प्रस्तुत ही हुए।

❖ 27 साल बाद पता चला कि गुरुजी विभाग और बच्चों को वेबकूफ बना रहे थे

❖ एक कंप्लेंट पर जब इसकी जांच हुई तो इनका बीटीसी फर्जी पाया गया

❖ 1999 में बलिया से बस्ती तबादला होकर आए थे नकली गुरु

❖ वर्तमान में इनकी तैनाती विकास खंड परसरामपुर के पीएस मरवटिया में, इनका नाम अनिल कुमार गुप्त

तब बीएसए ने इनकी सेवा को बर्खास्त करते हुए वेतन की वसूली का आदेश दिया, एफआईआर भी इनके खिलाफ दर्ज होगी। यह पड़ोसी जनपद संतकबीरनगर के ग्राम व पोस्ट मगहर के निवासी है। यह पहला मौका नहीं हैं, जब तबादला होकर आने वालों की पोल न खुली हो। कहा जाता है, कि बेसिक विभाग में 40 फीसद से अधिक गुरुजी फर्जी डिग्री पर नौकरी कर रहे है। जिसका सबूत है, कि जितनी भी शिकायतें हुई, उनमें सभी फर्जी पाए गए। कहना गलत नहीं होगा कि बेसिक विभाग में फर्जीवाड़े का जमावड़ा है।

चित्रांश लब महिला विंग ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

तेजयुग न्यूज

बस्ती। होली की खुमारी अलग ही होती है। हर ओर रंग-गुलाल से समां रंगीन होता है। घरों में गुझरिया, पूआ-पकवान बनते हैं, रिश्तों में मिठास घुलती है। चित्रांश क्लब महिला विंग की संयोजिका श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव जी के निवास मड़वा नगर में महिला विंग का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य एक दूसरे को अबीर, गुलाल लगाकर गुजिया खिलाकर गले मिली। जिसमें मुख्य रूप से जिसमें मुख्य रूप से क्लब की संरक्षिका इंदु, रेखा चित्रगुप्त, संध्या दिक्षित, प्रतिमा श्रीवास्तव संजू श्रीवास्तव संध्या पांडे, सविता श्री, रानी श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव, किरण पांडे, विभा श्रीवास्तव, ममता, अपराजिता, नर्मिता, बिंदु, शैली, आदि लोग उपस्थित रही।

सनकी शस ने युवक को कार से मारी टकर

ऊंचाहार। रायबरेली। जान से मारने की नीयत से सनकी शख्स ने युवक को कार से टक्कर मार दी, घटना में युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजनों द्वारा सीएचसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।घायल युवक की मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मामला कोतवाली क्षेत्र के पट्टी रहस कैथवल गाँव का है।गाँव निवासी कृष्ण देवी का कहना है कि रविवार की रात गाँव के पास निर्माणाधीन बाईपास पर आरोप है कि गाँव के दीपक सोनी ने जान से मारने की नीयत से उसके बेटे शुभम सिंह को जोरदार टक्कर मार दी।जिससे उसके दोनों पैर टूट गये और उसकी आंख व सिर में गम्भीर चोटें आई हैं।जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।बुधवार को पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई शुरू कर दी है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि कृष्ण देवी की तहरीर पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाई की जा रही है।

भारी 'संख्या' में 'महिलाओं' ने कलश में भरा 'जल'

तेजयुग न्यूज

बनकटी, बस्ती। मुंडेरवा नगर पंचायत के बोदवल बाजार में स्थापित श्री रामजानकी व हनुमान गढ़ी मंदिर स्थान पूरब पोखरा वार्ड नं0 5 (इंदिरा नगर) में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्य तरीके से श्रीराम महायज्ञ की झांकी बुधवार को निकाली गई। यज्ञाचार्य पंडित प्रदीप जी महाराज के नेतृत्व में 51 वैदिक विद्वानों द्वारा विधि-विधान से मंत्रोच्चारण करते हुए यह कलश यात्रा प्रारंभ हुआ जो 7 अप्रैल 2024 चलेगा। भंडारे का आयोजन निरन्तर चलता रहेगा। प्रदीप महाराज ने बताया भारतीय वैदिक संस्कृति में इस यज्ञ का विशेष महत्व है। यज्ञ के माध्यम से ही देवों को भोजन प्रदान किया जाता है। यज्ञ के माध्यम से जीव कल्याण होता है तथा इंद्र देव प्रसन्न होते हैं। इस श्री राम महायज्ञ में देश के जाने माने आचार्य, महामंडलेश्वर, वैदिक विद्वान, चिंतक, विचारक भी पधारेंगे। इस ऐतिहासिक महायज्ञ में प्रातःकाल यज्ञ में आहुतियां प्रदान की जायेंगी एवं दिन में दो बजे से परम पूज्य देवेंद्र महाराज के द्वारा श्री राम कथा का अमृतरसपान कराया जाएगा।

रात्रि में श्री राम लीला का मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जाएगा।

'प्रवासी' श्रमिकों के सहारे 'आठ' फीसद अधिक 'वोट' का 'लक्ष्य' : डीएम अंद्रा वामसी

तेजयुग न्यूज

बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में 1.50 लाख प्रवासी श्रमिकों से आगामी 25 मई को मतदान कराकर लगभग आठ प्रतिशत अधिक मतदान कराने का लक्ष्य है। उक्त जानकारी डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने दी। बताया कि इन सभी श्रमिकों को मतदान के लिए निमंत्रण पत्र एवं पोस्टकार्ड भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2019 के लोकसभा निर्वाचन में 57 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्तमान समय में जिले में 1890356 मतदाता है। इस प्रकार हम लगभग 65 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 25 मई को भीषण गमज़ के मद्देनजर प्रत्येक मतदेय स्थल पर छाया एवं पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

31 मार्च तक सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, खंड विकास अधिकारी, डीआईओएस तथा बीएसए से जनपद के 2151 बूथों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त कर ली जाएगी। जिन मतदेय स्थलों पर कोई कमी पाई जाएगी, उसे 10 अप्रैल तक सही कर लिया जाएगा। सभी मतदेय स्थलों पर समय से विद्युतीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिवहर्ष पीजी कॉलेज तथा किसान इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण के लिए 22 कमरे चिन्हित किए गए हैं, जिसका कायाकल्प कराया जा रहा है। इसी प्रकार स्ट्रांग रूम के लिए तथा स्टेशनरी आदि रखने के लिए मंडी समिति में कुल 23 कमरे चिन्हित किए गए हैं। इसमें भी मरम्मत तथा रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है। मतदान पार्टियों की रवानगी के लिए बसों के लिए अलग तथा कार्मिकों के वाहन के लिए अलग पार्किंग बनाई जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के 2151 मतदेय स्थान पर मतदान कराने के लिए कुल 11362 कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। जनपद में 10982 नियमित कर्मचारी की

उपलब्धता है। अवशेष 380 कर्मचारी की ड्यूटी शिक्षामित्र एवं संविदा कमज़ से चिन्हित करके लगाई जाएगी। इसके लिए चुनाव आयोग से अनुमति प्राप्त करने के लिए अनुरोध पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कुल 125 अस्वस्थ कर्मचारियों में से 35 को मेडिकल बोर्ड के सामने परीक्षण के पश्चात ड्यूटी से मुक्त किया गया है। शेष की ड्यूटी लगाई जाएगी।

इसके अतिरिक्त 20 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए हैं, जिनका वेतन रोकने की कार्यवाही की गई है। यदि वे फिर भी ड्यूटी पर वापस नहीं आते हैं, तो उनका मूल वेतन पर भेजने की संस्तुति की जाएगी। लगभग 40000 कर्मचारियो के पोस्टलबैलेट तथा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट के आधार पर मतदान कराने की व्यवस्था कराई जा रही है। पचासी वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को चिन्हित करके उनके घर पर मतदान कराने की सुविधा प्रदान की जाएगी। उनके द्वारा मतदान करने की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। इसके लिए अलग से 40 मतदान पार्टियों का गठन किया गया है। क्षेत्र में मतदान कराने हेतु भेजने से पूर्व कार्मिकों का रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुल 194 बरनरेबुल तथा 289 क्रिटिकल बूथ हैं, जिसमें से सर्वाधिक 81 बस्ती सदर में हैं।

उन्होंने बताया कि इसका भी सत्यापन कराया जा रहा है तथा मतदान संपन्न होने तक इसकी संख्या में परिवर्तन हो सकता है। उन्होंने बताया कि कुल 7194 में से 4010 लाइसेंसी हथियार जमा कर लिए गए हैं। सर्वाधिक अवशेष असलहा कोतवाली में 878, लालगंज में 323 तथा नगर थाना क्षेत्र में 190 अवशेष हैं। यहां के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह एक सप्ताह के भीतर सभी असलहा जमा कराना सुनिश्चित करें। नॉन ट्रेसेबल असलहों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त करके निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।